कक्षा 12 – हिन्दी

Set 6

✅ **पूर्ण समाधान**

🟢 **खण्ड – क**

प्रश्न 1. बहुविकल्पीय (5×1=5)

(क) **(i) 1900–1920**

(ख) **(i) प्रेमचन्द**

(ग) **(i) माखनलाल चतुर्वेदी**

(घ) **(ii) कर्ण**

(ङ) **(i) अज्ञेय**

प्रश्न 2. साहित्य इतिहास (5×1=5)

(क) **(i) प्रकृति चित्रण एवं आत्मानुभूति**

(ख) **(i) मार्क्सवाद**

(ग) **(i) गोदान**

(घ) **(i) स्वतंत्रता-उत्तर काल**

(ङ) **(i) भाषा शुद्धि**

🟢 **प्रश्न 3. गद्यांश आधारित (10 अंक)**

(i) सन्दर्भ

यह गद्यांश जीवन में दुःख और साहस के महत्व को स्पष्ट करता है। लेखक ने दुःख को मनुष्य की परीक्षा बताया है।

(ii) व्याख्या

लेखक का आशय है कि जो व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस बनाए रखता है, वही सच्ची सफलता प्राप्त करता है।

(iii) दुःख का महत्व

दुःख व्यक्ति को परखता है और उसे मजबूत बनाता है। यह जीवन में अनुभव और आत्मबल प्रदान करता है।

(iv) सफलता के लिए गुण

धैर्य, साहस, परिश्रम और आत्मविश्वास।

(v) अर्थ

धैर्य – सहनशीलता
साहस – वीरता

● प्रश्न 4. पद्यांश आधारित (10 अंक)

(i) कवि – प्रेरणात्मक कविता (पाठ्यक्रमानुसार)

(ii) रस – वीर रस

(iii) व्याख्या

कवि कहना चाहता है कि जीवन में आने वाली विपत्तियों से घबराना नहीं चाहिए। गिरकर पुनः उठना ही सच्चे जीवन की पहचान है।

(iv) संदेश

संघर्ष और साहस जीवन की सफलता का आधार है।

(v) अलंकार

अनुप्रास अलंकार

● प्रश्न 5. जीवन परिचय (10 अंक)

(क) प्रेमचन्द

प्रेमचन्द हिन्दी के महान यथार्थवादी उपन्यासकार थे। उनका जन्म 1880 ई. में हुआ। उन्होंने 'गोदान', 'गबन', 'सेवासदन' आदि रचनाओं के माध्यम से ग्रामीण जीवन और सामाजिक समस्याओं का सजीव चित्रण किया। उन्हें 'उपन्यास सम्राट' कहा जाता है।

(ख) महादेवी वर्मा

महादेवी वर्मा छायावाद की प्रमुख कवयित्री थीं। उनकी कविता में करुणा, वेदना और आत्मानुभूति का सुंदर समन्वय है। 'यामा' उनकी प्रसिद्ध कृति है। उन्हें आधुनिक मीरा कहा जाता है।

🟢 प्रश्न 6. 'खून का रिश्ता' (5 अंक)

यह कहानी पारिवारिक संबंधों और मानवीय मूल्यों को प्रस्तुत करती है। कथानक सरल किन्तु प्रभावशाली है। इसका उद्देश्य रक्त संबंधों की महत्ता को स्थापित करना है।

🟢 प्रश्न 7. खण्डकाव्य (5 अंक)

'रश्मिरथी' में कर्ण

कर्ण दानवीर, वीर और स्वाभिमानी था। सामाजिक उपेक्षा के बावजूद उसने मित्रता निभाई। उसका जीवन संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक है।

🔵 खण्ड – ख

प्रश्न 8. संस्कृत अनुवाद (7 अंक)

संस्कृतः
कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि॥

हिन्दी अनुवादः

तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फल में कभी नहीं। तुम कर्मफल के कारण मत बनो और अकर्म में आसक्ति मत रखो।

प्रश्न 9. संस्कृत में उत्तर (4 अंक)

(क) कर्मणः फलम् किम्?
उत्तरः कर्मणः फलम् यशः सुखं च भवति।

(ख) अकर्मणि सङ्गः किमर्थं न करणीयः?
उत्तरः अकर्मणि सङ्गः असफलतां जनयति, अतः न करणीयः।

प्रश्न 10. रस, अलंकार, छन्द (6 अंक)

(क) करुण रस

शोक से उत्पन्न भाव करुण रस कहलाता है।
उदाहरण – राम का वनवास।

(ख) अनुप्रास अलंकार

एक ही वर्ण की पुनरावृत्ति होने पर अनुप्रास अलंकार होता है।
उदाहरण – चंचल चितवन।

(ग) दोहा छन्द

प्रत्येक पंक्ति में 13-11 मात्राएँ होती हैं।
उदाहरण – कबीर के दोहे।

🟢 **प्रश्न 11. निबंध (संकेत रूप)**

विषय – बेरोजगारी: समस्या और समाधान
(परिचय, कारण, प्रभाव, समाधान, निष्कर्ष)

🟢 **प्रश्न 12 (8 अंक)**

(क) प्रत्येक = प्रति + एक
(ख) पितामह = पिता का मह
✓ षष्ठी तत्पुरुष समास

🟢 **प्रश्न 13 (8 अंक)**

विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन हेतु पत्र

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय...
(पूर्ण औपचारिक पत्र – विषय, उद्देश्य, निवेदन सहित)

🟢 **प्रश्न 14 (8 अंक)**

(क) पाठ + क → 'क' प्रत्यय

(ख) हरिः वनं गच्छति

'हरिः' – प्रथमा विभक्ति (कर्ता कारक)

'वनं' – द्वितीया विभक्ति (कर्म कारक)